

प्रेषक,

एम0 एच0 खान,
सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

जिलाधिकारी,
नैनीताल, चम्पावत एवं पौड़ी,
उत्तराखण्ड।

पेयजल अनुभाग-2

देहरादून : दिनांक 01 जून, 2010

विषय :- चालू वित्तीय वर्ष 2010-11 में जिला योजनान्तर्गत ग्रामीण पेयजल योजनाओं (सामान्य) के पुनर्गठन/जीर्णोद्धार हेतु वित्तीय स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक शासनादेश संख्या 506/उन्तीस(2)/10-2(13पे0)/2010 दिनांक 30.04.2010 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि जिला योजनान्तर्गत ग्रामीण पेयजल योजनाओं (सामान्य) के पुनर्गठन/जीर्णोद्धार हेतु चालू वित्तीय वर्ष 2010-11 में निम्नलिखित जनपदों हेतु कुल रू0 159.52 लाख (रू0 एक करोड़ उनसठ लाख बावन हजार मात्र) की धनराशि के व्यय हेतु आपके निर्वर्तन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

(धनराशि रू0 लाख में)

क्र0 सं0	जनपद	अनुमोदित परिव्यय	पूर्व स्वीकृत धनराशि	स्वीकृत की जा रही धनराशि
01	02	03	04	05
01	नैनीताल	244.00	194.00	50.00
02	चम्पावत	259.50	199.50	50.00
03	पौड़ी	500.00	318.85	59.52
	योग :-			159.52

2- जिला योजना हेतु स्वीकृत की जा रही धनराशि का जनपदवार आहरण के पूर्व जनपदवार जिला नियोजन एवं अनुश्रवण समिति के द्वारा अनुमोदित परिव्यय एवं योजनाओं के अनुरूप ही किया जायेगा। परिव्यय से अधिक धनराशि के आहरण का दायित्व सम्बन्धित जिलाधिकारी का ही माना जायेगा।

3- उपरोक्त स्वीकृत धनराशि का आहरण उत्तराखण्ड जल संस्थान के सम्बन्धित जनपद के अधिशासी अभियन्ता/नोडल अधिकारी के हस्ताक्षरयुक्त तथा सम्बन्धित जनपद के जिलाधिकारी के प्रतिहस्ताक्षरित बिल सम्बन्धित जनपद के कोषागार में प्रस्तुत करके वास्तविक आवश्यकतानुसार किशतों में पूर्व स्वीकृत धनराशि का पूर्ण उपयोग अथवा 80 प्रतिशत धनराशि के उपयोग के उपरान्त ही किया जायेगा। जिन जनपदों में पूर्व में स्वीकृत समस्त धनराशि का उपयोग हो चुका है, वे आवंटित धनराशि का आवश्यकतानुसार आहरण कर सकते हैं।

- 4- कार्य की समयबद्धता एवं गुणवत्ता हेतु सम्बन्धित अधिशासी अभियन्ता अथवा इस स्तर का अधिकारी पूर्ण रूप से उत्तरदायी होगा
- 5- स्वीकृत धनराशि से कराये जाने वाले कार्यों पर उ0प्र0 शासन के वित्त लेखा अनुभाग-2 के शासनादेश संख्या -ए-2-87(1)/दस-97-17(4)/75 दिनांक 27.02.1997 के अनुसार सैन्टेज व्यय किया जायेगा तथा कार्यों की कुल लागत के सापेक्ष पूर्व में व्यय की गई धनराशि में सैन्टेज चार्ज के रूप में व्यय की गई धनराशि को समायोजित करते हुए कुल सैन्टेज चार्ज 12.50 प्रतिशत से अधिक अनुमन्य नहीं होगी। इसका कृपया कड़ाई से पालन सुनिश्चित कर आगणनों में सैन्टेज की व्यवस्था उक्तानुसार ही की जाय।
- 6- स्वीकृत धनराशि का व्यय प्रथमतया चालू योजनाओं पर किया जायेगा तथा चालू योजनायें शेष न होने पर ही नये कार्यों पर योजनावार विवरण उपलब्ध कराने पर शासन की अनुमति के उपरान्त ही धनराशि व्यय की जायेगी।
- 7- उक्त स्वीकृत धनराशि से जिला योजना में अनुमोदित ग्रामीण पेयजल योजनाओं का क्रियान्वयन उत्तराखण्ड जल संस्थान द्वारा किया जायेगा।
- 8- जनपदवार स्वीकृत धनराशि के योजनावार आवंटन की सूचना 2 सप्ताह के अन्दर शासन को अवश्य उपलब्ध करा दी जाय, जिसमें लाभान्वित होने वाली एन0सी0 तथा पी0सी0 बस्तियों का विवरण अवश्य स्पष्ट रूप से अंकित किया जाय।
- 9- स्वीकृत धनराशि ऐसी योजनाओं पर कदापि व्यय न की जाय, जिसके सम्बन्ध में तकनीकी स्वीकृति प्राप्त नहीं हैं अथवा जो विवादग्रस्त है।
- 10- व्यय करने से पूर्व जिन मामलों में बजट मैनुअल और फाईनेन्शियल हैंडबुक नियमों तथा अन्य स्थायी आदेशों के अन्तर्गत शासकीय अथवा सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति आवश्यक हों, उसमें व्यय करने से पूर्व ऐसी स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय। निर्माण कार्यों पर व्यय करने से पूर्व आगणनों/पुनरीक्षित आगणनों पर सक्षम प्राधिकारी की तकनीकी स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय।
- 11- स्वीकृत धनराशि से वही कार्य किया जायेगा जो जिला नियोजन एवं अनुश्रवण समिति द्वारा अनुमोदित हो और जनपदवार आवंटित प्लान परिव्यय के अन्तर्गत हों तथा जिला अनुश्रवण समितियों द्वारा अनुमोदित परिव्यय से अधिक व्यय कदापि न किया जाय।
- 12- स्वीकृत की जा रही धनराशि का दिनांक 31.03.2011 तक पूर्ण उपयोग करके इसकी वित्तीय/भौतिक प्रगति एवं उपयोगिता प्रमाण-पत्र शासन को प्रस्तुत किया जायेगा।
- 13- रू0 50.00 लाख तक की योजनाओं की वित्तीय स्वीकृति जिलाधिकारी स्तर से जारी की जायेगी तथा रू0 50.00 लाख से अधिक की स्वीकृति मण्डलायुक्त के अनुमोदन के उपरान्त जारी की जायेगी। स्वीकृतियों के प्रस्ताव जनपद/मण्डल स्तरीय नोडल अधिकारी द्वारा तैयार कर अर्थ एवं संख्या विभाग के जनपद/मण्डलय कार्यालय को उपलब्ध कराये जायेंगे, जो इन प्रस्तावों को परीक्षण के उपरान्त जिलाधिकारी एवं मण्डलायुक्त को प्रस्तुत करेंगे।
- 14- उक्त व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2010-11 के अनुदान संख्या-13 के लेखाशीर्षक-2215-जलापूर्ति तथा सफाई 01-जलापूर्ति-आयोजनागत-102-ग्रामीण जलपूर्ति कार्यक्रम-91-जिला योजना-02-ग्रामीण पेयजल तथा जलोत्सारण योजनाओं का जीर्णोद्धार-20-सहायक अनुदान/अंशदान राज सहायता के नामें डाला जायेगा।

15- यह शासनादेश राज्य योजना आयोग के शासनादेश संख्या 624/जि०यो०/रा०यो०आ०/मु०स०/2008, दिनांक 24.03.2008 तथा वित्त विभाग के शासनादेश संख्या 267/XXVII(1)/2008, दिनांक 27.03.2008 में उल्लिखित निर्देशानुसार निर्गत किया जा रहा है।

भवदीय,
(एम०एच० खान)
सचिव

संख्या-668(i)/उन्तीस(2)/10-2(13पे०)/2010, तददिनांकित

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
2. मण्डलायुक्त गढ़वाल/कुमाऊँ।
3. वरिष्ठ कोषाधिकारी/कोषाधिकारी, नैनीताल, चम्पावत एवं पौड़ी, उत्तराखण्ड।
4. प्रबन्ध निदेशक, उत्तराखण्ड पेयजल निगम देहरादून।
5. मुख्य महाप्रबन्धक, उत्तराखण्ड जल संस्थान, देहरादून।
6. महाप्रबन्धक, गढ़वाल/कुमाऊँ।
7. वित्त अनुभाग-2/राज्य योजना आयोग/बजट सैल, उत्तराखण्ड शासन।
8. बजट अधिकारी, उत्तराखण्ड शासन।
9. संयुक्त विकास आयुक्त गढ़वाल/कुमाऊँ।
10. आयुक्त ग्राम्य विकास, उत्तराखण्ड
11. स्टाफ ऑफिसर, मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
12. सम्बन्धित अधिशासी अभियन्ता, उत्तराखण्ड जल संस्थान।
13. निदेशक, सूचना एवं लोक सम्पर्क निदेशालय, देहरादून।
14. निजी सचिव, मा० पेयजल मंत्री जी को मा० मंत्री जी के अवलोकनार्थ।
- ✓ 15. निदेशक, एन०आई०सी० सचिवालय परिसर, देहरादून।
16. गार्ड फाईल

आज्ञा से,
(नवीन सिंह तड़ागी)
उप सचिव